#### राजस्व विभाग

## युद्ध जागीर

#### दिनांक 10 फरवरी, 1994

क्रमांक 4541—्ज-2-93/ 2628——श्री हाकम राय पुत श्री बलाकी राम, निवासी मोहल्ला माजरी शाहबाद, तहसील यानेसर, जिला कुरसेत को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रीधिनयम, 1948 की धारा  $2(\nabla)$  (1  $\nabla$ ) तथा 3 (1 $\nabla$ ) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2552—ज (2)-75/ 33375, दिनांक 7 नवम्बर, 1975 द्वारा 150 रुपये और इसके बाद श्रीधसूचना क्रमांक 1789—ज-1-79/ 44040, दिनांक 30 श्रकतूबर, 1979 द्वारा 156 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वाषिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. श्रव श्री हाकम राये की दिनांक 5 जुलाई, 1992 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त मिधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है और उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के श्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री हाकम राये की विधवा श्रीमती देवकी रानी के नाम रवी 1993 से 1,000 रुपये वाषिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत तबदील करते हैं।

# दिनांक 11 फरवरी, 1994

कमांक 4579-ज-(2)-93/2711.--श्री दलीप सिंह, पुत्र श्री केहर सिंह, निवासी गांव खरावड़, तहसील व जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के श्रधीन सरकार की अधिसूचना कमांक 1556-ज-(2)-82/35151,दिनांक 6 अन्तुबर, 1982 द्वारा 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. श्रव श्री दलोप सिंह की दिनांक 26 जून, 1993 को हुई मृत्य के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त श्रिष्टित्यम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है श्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के श्रधीन प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री दलीप सिंह की विधवा श्रीमती रूकमण देवी के नाम रवी, 1994 से 1,000 रुपये विश्वक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत तबदील करते हैं।

## दिनांक 11/16फरवरी, 1994

क्रमांक 4578-ज-(2)-93/2715.--श्री दीवान सिंह, पूज श्री रामा, निवासी, गांव कुलताना, वहसील झज्जर, अब रोहतक, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुत्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2449-आर-4-67/2211, दिनांक 7 जुलाई, 1967 द्वारा रुपये 100 वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वीषिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. भव श्री दिवान सिंह की दिनांक 28 भ्रगस्त, 1993 को हुई मृत्य के परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त भिष्टिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भ्रपनाया गया है भ्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के भ्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री दिवान सिंह की विधवा श्रीमती घापों के नाम रजी, 1994 से 1,000 रुपय वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के भन्तर्गत तबदील करते हैं।

### दिनांक 16 फरवरी, 1994

क्रमांक 67-ज-II-94/2928.—श्री प्रेम सिंह पृत श्री खोजू सिंह, निवासी गांव बम्भोल, तहसील, जगाघरी, जिला धम्बाला धव यमुनानगर को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रीधिनियम, 1948 की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के श्रधीन सरकार की श्रीधिसूचना क्रमांक 1547-ज-I-75/19384, दिनांक 2 जुलाई, 1975 द्वारा 150 रुपये और उसके बाद श्रीधसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. ग्रब श्री प्रेम सिंह की दिनांक 1 दिसम्बर, 1988 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त श्रिष्टि-नियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के श्रधीन मद्दान की गई शक्तियों शांत्रयों शांत्रयोंग करते हुए, इस जागीर को श्री प्रेम सिंह की विधवा श्रीमती श्रमर कौर के नाम खरीफ, 1989 से खरीफ 92 तक 300 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1994 से 1,000 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1994 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में श्री गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।